Item Code: 645 Participant Code: 041

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം, തൃശ്ശൂർ
തീയതി 17.01.26
പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

नारियाँ - नौकरी क्षेत्रों में

→ भूमिका

→ विषयवस्तु :-

* नारियाँ से देश का विकास।
* शिक्षा प्राप्त करना नारी का सबसे बड़ा मौलिक अधिकार।
* तक्नीकी और अंतरीक्ष विज्ञान में स्त्रीयाँ की भूमिका।
* बेरोज़गारी :- स्त्री सामना करने वाली सबसे बड़ी समस्या।
* नारियाँ सामना करने वाली चुनौतियाँ तथा सुझाव।
* स्त्री सुरक्षा में बच्चों और विद्यालयों का संयुक्त जिम्मेदारियाँ।
* स्त्री सुरक्षा और सशक्तिकरण में सरकार और समाज की भूमिका।

→ उपसंहार

⇒ भूमिका

"हम एक देश का हालत उसके नारियाँ से समझ सकते हैं।" - महात्मा गांधी जी

भारत विशाल एवं विकासशील देश है। मानवीय विकास में 193 राष्ट्रों में से भारत 130 वीं स्थान पर है। भारत अब स्वतंत्रता का "अमृत महोत्सव" मना रहा है, स्वतंत्रता के 78 वर्ष मे भारत ने कई विकास हासिल किया है। भारत ने विज्ञान, तकनीकी, अंतरीक्ष विज्ञान, स्वच्छता, सफाई, शिक्षा आदि क्षेत्रों मे कई प्रगति प्राप्त किया है। भारत मे 1.46 अरब जनसंख्या है, और इसमें से 60 प्रतिशत युवा है, जिससे हम यह समझ सकते है, कि भारत में युवा शक्ति ज़्यादा है। स्त्रीयाँ एक देश की आधार या नवी है। हमारे भारत मे भी कई स्त्री है जिन्होंने साहित्य, तक्नीकी, विज्ञान आदि क्षेत्रों मे अपना चमत्कार दिखाया है। भारत की ज़्यादातर उन्नति ~~की~~ कि कारण स्त्री है, फिर भी वे कई चुनौतियाँ झेलती है, जैसे उत्पीडन, शिक्षा से वंचीत होना, लैंगिक असमानता आदि इन सब को रोकना अत्यंत आवश्यक है।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

=) विषयवस्तु :-

* नारियाँ से देश का विकास

"जब तक भारत दुनिया के सामने खड़ा नहीं होगा कोई हमारा आदर नहीं करेगा, इस दुनिया मे सिर्फ शक्ति की पुजा होती है, यँहा डर की कोई जगह नहीं।"

-डॉ ए. पी. जे अब्दुल कलाम

नारियाँ से हमारा देश कई उन्नति प्राप्त कर सकता है। जैसे खेल-कुद के क्षेत्र में "मेरी कोम", "पी. वी सन्धु", "पी. टी उशा" आदि स्त्रीयाँ ने अपना कौशल दिखाया है। और साहित्य के क्षेत्र में "सरोजीनी नायडु" जिन्होंन अपने सुन्दर रचनाओं से लोगों का दिल जिता। इन सब से हम यह समझ सकते हैं कि स्त्रीयाँ के सहायता से हम हमारे देश में कई बदलाव ला सकते है और देश को विकसित बना सकते है।

* शिक्षा प्राप्त करना नारी का सबसे बड़ा मौलिक अधिकार।

"शिक्षा वह सशक्तिशाली हथियार है, जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।"

-डॉ नेल्सन मण्डेला

शिक्षा हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है, लेकिन अगर हम देखे तो कई स्त्रीयाँ को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर ही नहीं मिलता है। भारत में 80.9 प्रतिशत साक्षरता है, और इस में से 87.2 प्रतिशत पुरुष साक्षर है, और 74.6 प्रतिशत स्त्री साक्षर है जिससे पता चलता है ~~कि~~ कि पुरुष को स्त्री से अधिक साक्षरता है, इसको समान बनाना अत्यंत आवश्यक है। पहले के समय मे कई स्त्रीयों को शिक्षा नहीं मिलता था उस समय "मलाला युसफसाई" ~~ने~~ जैसे कई महिलाओं ने अवाज़ उठाया जिसके कारण कई स्त्रीयों को शिक्षा मिला। अगर भारत को साक्षर बनना है, तो बालश्रम, बालविवाह

आदि समस्याओं को पार करना होगा।

* तकनीकी और अंतरीक्ष विज्ञान में स्त्रीयों की भूमिका।

तकनीकी के क्षेत्र मे कई महिलाओं ने अपना नाम दिखाया है। अंतरीक्ष विज्ञान के क्षेत्र में "सुनिता विल्यमस" जैसे कई स्त्रीयों ने प्रगति प्राप्त किया है। अब स्त्री घर के रसोई से चांद तक पहुँच गई है। पहले लोगो का मानना था कि स्त्रीयों को सिर्फ घर के चार कोनों मे रहना चाहिए लेकिन अब वे समझ गये है कि स्त्री चार कोनों मे रहने वाली नहीं बल्कि उन चार कोनों को तोड़ने वाली होती है। 2030 से विकसित बनना भारत का सबसे बड़ा सपना है, तो इसके लिए स्त्रीयों को शक्त बनाना होगा जिसमे सरकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सरकार को स्त्रीयाँ को तकनीकि, अंतरीक्ष विज्ञान आदि क्षेत्रों मे भी आगे लाने के लिए परिश्रम करना चाहिए।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

* बेरोज़गारी :- स्त्री सामना करने वाली सबसे बड़ी समस्या ।

अगर हम देखे तो बेरोज़गारी आज के समय का सबसे बड़ा चुनौती है, करीब 2025 के रिपोर्ट के अनुसार 2025 में 5.6 प्रतिशत लोग बेरोज़गार थे। युवा बेरोज़गारी 13.8 प्रतिशत था। 2024 के रिपोर्ट के अनुसार 4.5 प्रतिशत पुरुष बेरोज़गार थे और 8.5 प्रतिशत स्त्री बेरोज़गार थी जिससे हम समझ सकते है कि स्त्री बेरोज़गारी पुरुष से अधिक है। इसका कई कारण है, उन में से मुख्य कारण यह है कि स्त्रीयाँ को पुरुष से कम आमदनी मिलता है, अभी भी कई क्षेत्रों मे स्त्रीयों को कम आमदनी मिलता है। और एक दुसरा कारण है, शिक्षा की कमी। कई लड़कियों को बालविवाह के कारण भी पढ़ने का अवसर नहीं मिलता और वे बेरोज़गारी की समस्या झेलते है, जैसे कुछ ही दिन पहले केरल के मलापुरम मे लोगों

ने एक 14 साल के बच्ची का विवाह करने के लिए कोशिश किया। तो बेरोज़गारी का सिर्फ एक ही सुझाव है, स्त्रीयों को शक्त बनाना।

* नारियाँ सामना करने वाली चुनौतियाँ तथा सुझाव।

"हर समस्या का उसका ही एक सुझाव है।"

नारियाँ कई चुनौतियाँ झेलती है, जैसे:-

1. स्त्री उत्पीडन:- अंगडों के अनुसार 2024 में एन. सी. आर. भी के अनुसार 4.48 लाख स्त्री उत्पीडन समस्याएँ रिपोर्ट किया गई। तीन में से एक महिला अपने जीवन मे एक बार हिंसा महसुस किया है। स्त्री उत्पीडन की समस्या आज आम बन चुकी है, तो इस समस्या को रोकने के लिए नियमों को शक्त बनाना होगा। और यह अपराध करने

वाले व्यक्ति को कठीन सज़ा मिलना चाहिए।

८. **लैंगिक असमानता** :- लैंगिक असमानता हर स्त्री अपने जीवन मे झेलती है। लैंगिक समानता के लिए लोगों को हर लिंग का आदर करना चाहिए और भाईचारा जैसे मुल्यों के साथ व्यवहार करना चाहिए।

* **स्त्री सुरक्षा ~~ओ~~ में बच्चों और विद्यालयों का संयुक्त जिम्मेदारियाँ।**

"आज का बच्चा, कल का नागरीक है।"
- जवाहरलाल नेहरू जी

हर साल 8 मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया जाता है, तो सिर्फ इस दिन ही नहीं बल्कि हर दिन विद्यालयों में अध्यापकों को बच्चों को स्त्रीयों का महत्व और स्त्री संरक्षण का महत्व सिखाना चाहिए। बच्चों का कर्तव्य है कि वे स्त्रीयों के महत्व और लैंगिक समाना के बारे

मैं जागरूक रहें और दुसरों को भी जागरूक बनाया। बच्चों के स्त्रीयों को योगदान और समाज मे उनका प्रभाव के बारे मे समझना चाहिए।

* स्त्री सुरक्षा और सशक्तिकरण में सरकार और समाज की भूमिका।

स्त्री सुरक्षा के लिए सरकार ने कई योजनाएं लागु किया है, जैसे "पिंग पुलिस", "महिला पुलिस", "निर्भया फंड", आदि और सरकार ने स्त्री सुरक्षा के लिए ~~"1096"~~ "181" हेल्पलैन लागु किया है। सरकार को बेरोजगारी को कम करने के लिए नौकरी के क्षेत्र मे अपना भूमिका दिखाना चाहिए जैसे स्त्री और पुरुष को समान आमदनी और अवसर मिलना चाहिए। समाज के स्त्रीयों का आदर और सम्मान करना चाहिए। सरकार को नियमों को सक्त बनाना चाहिए और स्त्री उत्पीडन समस्याओं को रोकने के लिए

नई योजना और नियम शुरू करना चाहिए।

⇒ उपसंहार

"जब एक महिला रात के अंधेरे मे सड़क पर चल सक्ती है, तब हम कह सकते हैं कि भारत ने पुरी तरह से स्वतंत्रता प्राप्त कर लिए है।"

- महात्मा गांधी जी

जब एक पुरुष शिक्षीत होता है, तो उसका परीवार उन्नति मे पहुंच ता है लेकिन जब एक स्त्री शिक्षा प्राप्त करती है, तब पुरा समाज उन्नति मे पहुंच ता है। हमारे समाज मे महिलाओं को सबसे शक्त कहा जाता है, क्योंकि वे कई समस्याओं को पार करके उन्नति तक पहुँचते हैं। कई महिला पीडन सहती है, हिंसा महसुस करती है, फिर भी वे महीला हार नहीं मानती है, इसी कारण से स्त्रीयों को शक्त बनाना हर व्यक्ति का

जिम्मेदारी है। नारियाँ को सिर्फ नौकरीयों के क्षेत्र मे ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र मे शक्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। "प्रधानमंत्री कौशल विकास" योजना के सहायता से सरकार को स्त्रीयों को काम अवसर प्रधान करना चाहिए।

x———— x x ————x